चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 13 मई 2026, अंक –278.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

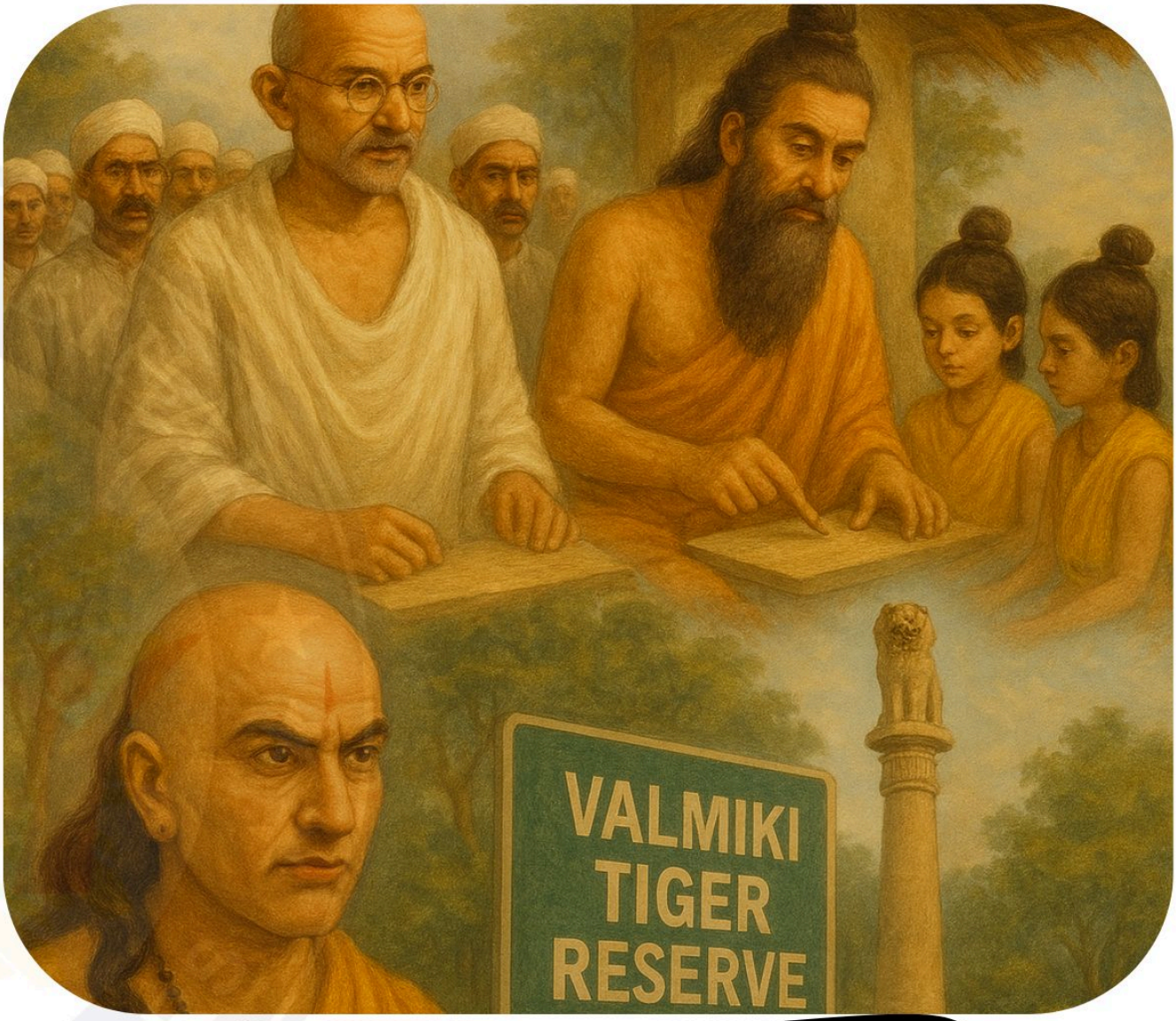

"वीरता का अर्थ ड़र का अभाव नहीं, बल्कि ड़र पर विजय है।"

— नेल्सन मंडेला

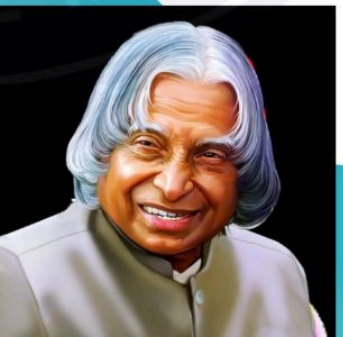

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क ी बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. बांग्लादेश की राजधानी क्या है?
उत्तर: ढाका
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख कौन थे?
उत्तर: के. एम. करियप्पा
प्रश्न 3. 'चापचर कुट' उत्सव किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. वह सबसे छोटी पूर्ण संख्या कौन-सी है?
उत्तर: 0
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा शहर 'लीची' के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: मुजफ्फरपुर
प्रश्न 6. भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. सेफ्टी रेज़र का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: किंग कैंप जिलेट
प्रश्न 8. भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची किससे संबंधित है?
उत्तर: भाषाएँ
प्रश्न 9. 'विद्यालय' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है?
उत्तर: विद्या + आलय
प्रश्न 10. हमारे शरीर में भोजन से ऊर्जा कहाँ बनती है?
उत्तर: कोशिकाओं में

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Rain – (रेन) – वर्षा
Wind – (विंड) – हवा
Cloud – (क्लाउड) – बादल
Weather – (वेधर) – मौसम
Thunder – (थंडर) – गरज
Lightning – (लाइटनिंग) – बिजली चमकना
Storm – (स्टॉर्म) – तूफ़ान

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... करता/करती हूँ" (I ...)

मैं पढ़ता/पढ़ती हूँ। – I read.
मैं लिखता/लिखती हूँ। – I write.
मैं खेलता/खेलती हूँ। – I play.
मैं खाना खाता/खाती हूँ। – I eat food.
मैं अंग्रेज़ी सीखता/सीखती हूँ। – I learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 13 मई को भारत के संसदीय इतिहास में किस महत्वपूर्ण संस्था की पहली बैठक (1952) की याद में जाना जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राज्यसभा
व्याख्या: स्वतंत्र भारत की 'राज्यसभा' (उच्च सदन) की पहली बैठक 13 मई 1952 को हुई थी। इसके पहले सभापति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे। यह सदन भारतीय लोकतंत्र में राज्यों के प्रतिनिधित्व और विधायी निरंतरता का प्रतीक है, क्योंकि यह कभी भंग नहीं होता।
संदर्भ: Rajya Sabha Secretariat Archive (2026).

2. हाल ही में 'जी-20' (G20) डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह की बैठक 2026 में कहाँ आयोजित की गई? (समसामयिकी)
उत्तर: हैदराबाद
व्याख्या: मई 2026 में हैदराबाद में आयोजित इस बैठक का मुख्य विषय 'डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा' (DPI) और साइबर सुरक्षा था। भारत अपनी डिजिटल क्रांति के अनुभवों को दुनिया के साथ साझा कर रहा है, जो वैश्विक तकनीकी नीति के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Ministry of External Affairs (MEA), May 2026.

3. प्रसिद्ध 'प्रयाग प्रशस्ति' (इलाहाबाद स्तंभ लेख) की रचना किसने की थी? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: हरिषेण
व्याख्या: हरिषेण गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त के दरबारी कवि और मंत्री थे। उन्होंने समुद्रगुप्त की विजयों और व्यक्तित्व का वर्णन करने के लिए संस्कृत में 'प्रयाग प्रशस्ति' लिखी। यह गुप्तकालीन इतिहास और राजाओं के गौरवगान को समझने का सबसे महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 103.

4. वायुमंडल की वह परत कौन सी है जिसमें मौसम संबंधी सभी घटनाएँ (वर्षा, कोहरा) होती हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: क्षोभमंडल (Troposphere)
व्याख्या: यह वायुमंडल की सबसे निचली और महत्वपूर्ण परत है, जिसकी औसत ऊँचाई 13 किमी है। हम इसी परत में मौजूद वायु में सांस लेते हैं। ऊँचाई के साथ यहाँ तापमान घटता है और जीवन की उत्तरजीविता के लिए यह परत सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 35.

5. 'हर्षचरित', जो राजा हर्षवर्धन की जीवनी है, के लेखक कौन हैं? (इतिहास)
उत्तर: बाणभट्ट
व्याख्या: हर्षवर्धन के दरबारी कवि बाणभट्ट ने संस्कृत में 'हर्षचरित' लिखी। इसमें हर्ष के पूर्वजों और उनके शासनकाल के शुरुआती वर्षों का विस्तृत विवरण मिलता है। ऐतिहासिक जीवनियों के माध्यम से मध्यकालीन भारत की शुरुआत को समझने के लिए यह एक प्रमुख ग्रंथ है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 107.

"सामान्य-ज्ञान"

6. विश्व का वह कौन सा महाद्वीप है जिसे 'द्वीप महाद्वीप' (Island Continent) कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: ऑस्ट्रेलिया
व्याख्या: ऑस्ट्रेलिया विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप है जो चारों ओर से महासागरों और समुद्रों से घिरा है। यह पूरी तरह से दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है। इसके चारों ओर पानी होने के कारण इसे द्वीप महाद्वीप कहा जाता है, जो अपनी विशिष्ट वनस्पतियों और जीवों के लिए प्रसिद्ध है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 33.

7. भारतीय संविधान की 'ग्यारहवीं अनुसूची' (11th Schedule) किससे संबंधित है? (संविधान)
उत्तर: पंचायती राज
व्याख्या: 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) द्वारा जोड़ी गई यह अनुसूची पंचायतों की शक्तियों, अधिकार और जिम्मेदारियों को परिभाषित करती है। इसमें ग्रामीण विकास से संबंधित 29 विषय शामिल हैं। यह विकेंद्रीकरण और स्थानीय स्वशासन का संवैधानिक आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 3 Election and Representation (Local Govt context).

8. मानव शरीर में 'पिट्यूटरी ग्रंथि' (Pituitary Gland) कहाँ स्थित होती है? (विज्ञान)
उत्तर: मस्तिष्क (Brain)
व्याख्या: इसे 'मास्टर ग्रंथि' भी कहा जाता है क्योंकि यह अन्य कई ग्रंथियों के स्रवण को नियंत्रित करती है। यह वृद्धि हार्मोन (Growth Hormone) सहित कई महत्वपूर्ण हार्मोन बनाती है। शरीर के विकास और संतुलन के लिए इसकी स्थिति और कार्यप्रणाली का ज्ञान विज्ञान में अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Science, Ch 10 Reaching the Age of

9. 'हम्पी' के खंडहर किस प्रसिद्ध मध्यकालीन साम्राज्य की राजधानी के अवशेष हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: विजयनगर
व्याख्या: हम्पी (कर्नाटक) विजयनगर साम्राज्य की वैभवशाली राजधानी थी। यह अपनी अनूठी हिंदू वास्तुकला, मंदिरों और बाजारों के लिए प्रसिद्ध है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है, जो मध्यकालीन भारतीय स्थापत्य कला की श्रेष्ठता को दर्शाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 6 Towns, Traders and Craftspersons, p. 82.

10. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'मंदार हिल' (Mandar Hill) स्थित है, जहाँ भगवान विष्णु का पदचिह्न माना जाता है? (बिहार GK)
उत्तर: बांका
व्याख्या: बांका जिले के बाराहाट में स्थित मंदार पर्वत धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन में इसका उपयोग 'मथानी' के रूप में किया गया था। यहाँ प्रतिवर्ष 'मंदार मेला' भी आयोजित होता है।
संदर्भ: Bihar State Tourism Development Corporation; BSDMA Calendar 2026।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, लू (Heatwave) से बचने के लिए बाहर निकलते समय सिर को ढंकने हेतु किस रंग के कपड़े का उपयोग श्रेष्ठ है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: सफेद या हल्का
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार, धूप में बाहर निकलते समय सिर और चेहरे को सफेद या हल्के रंग के सूती कपड़े से ढंकना चाहिए। सफेद रंग सूर्य की किरणों को परावर्तित (Reflect) करता है, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और लू का खतरा कम होता है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

12. 'A' और 'B' दो भाई हैं। 'C', 'A' का बेटा है। 'D', 'B' की बेटी है। 'C' और 'D' के बीच क्या रिश्ता है? (रीजनिंग)
उत्तर: चचेरे भाई-बहन (Cousins)
व्याख्या: चूंकि A और B भाई हैं, इसलिए उनके बच्चे (C और D) एक-दूसरे के चचेरे भाई-बहन होंगे। यह रक्त संबंध (Blood Relation) का एक सरल तर्क है जो बच्चों की पारिवारिक वृक्ष (Family Tree) समझने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: Logical Reasoning for Competitive Exams (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Obstinate (ऑब्स्टिनेट) = Stubborn / Adamant (स्टबर्न / एडमंट) = जिद्दी
🔁 Antonym – Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला
Peril (पेरिल) = Danger / Risk (डेंजर / रिस्क) = खतरा
🔁 Antonym – Safety (सेफ्टी) = सुरक्षा
Quench (क्वेंच) = Satisfy / Extinguish (सैटिस्फाई / एक्सटिंग्विश) = बुझाना / तृप्त करना
🔁 Antonym – Ignite (इग्नाइट) = जलाना
Resilient (रिज़िलिएंट) = Tough / Recovering (टफ / रिकवरिंग) = लचीला / जल्दी संभलने वाला
🔁 Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = कमजोर / नाज़ुक
Serene (सरीन) = Calm / Peaceful (काम / पीसफुल) = शांत / सौम्य
🔁 Antonym – Turbulent (टर्बुलेंट) = अशांत

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Bharat-Gen' initiative; India to develop its own Sovereign Large Language Model (LLM) to preserve cultural and linguistic diversity in AI.

केंद्र सरकार ने 'भारत-जेन' पहल की शुरुआत की; एआई में सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को सुरक्षित रखने के लिए भारत अपना स्वयं का 'sovereign' लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) विकसित करेगा।

Ministry of Power announces 'One Nation, One Smart-Grid'; implementation of AI-driven load balancing to reduce transmission losses by 15% by 2027.

ऊर्जा मंत्रालय ने 'एक राष्ट्र, एक स्मार्ट-ग्रिड' की घोषणा की; 2027 तक ट्रांसमिशन नुकसान को 15% कम करने के लिए एआई-संचालित 'लोड बैलेंसिंग' तकनीक लागू की जाएगी।

Supreme Court rules 'Right to Disconnect' as a part of Article 21; allows employees to ignore work-related calls/emails after office hours to ensure mental well-being.

सुप्रीम कोर्ट ने 'राइट टू डिस्कनेक्ट' को अनुच्छेद 21 का हिस्सा माना; मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों को कार्यालय समय के बाद कॉल/ईमेल को नजरअंदाज करने का अधिकार दिया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Treaty on Deep-Sea Mining'; imposes a 10-year moratorium on mineral extraction in high-seas to protect marine biodiversity.

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'डीप-सी माइनिंग पर वैश्विक संधि' अपनाई; समुद्री जैव विविधता की रक्षा के लिए उच्च समुद्र में खनिज निष्कर्षण पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया।

BBC News: Scientists in Japan successfully develop 'Bio-Hybrid Robots' using living muscle tissue; potentially revolutionizing medical prosthetics.

बीबीसी न्यूज़: जापान के वैज्ञानिकों ने जीवित मांसपेशियों के ऊतकों का उपयोग करके 'बायो-हाइब्रिड रोबोट' विकसित किए; यह मेडिकल प्रोस्थेटिक्स (कृत्रिम अंग) के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है।

WHO issues global guidelines for 'Lab-Grown Meat'; sets safety standards for cultured protein to address food security and climate change.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 'लैब-ग्रोन मीट' के लिए वैश्विक दिशा-निर्देश जारी किए; खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कल्चर्ड प्रोटीन के सुरक्षा मानक तय।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Data Centre' in Rajgir; will provide cloud storage solutions for all state government departments and local startups.
बिहार सरकार राजगीर में 'राज्य डेटा केंद्र' स्थापित करेगी; यह राज्य के सभी सरकारी विभागों और स्थानीय स्टार्टअप्स के लिए क्लाउड स्टोरेज समाधान प्रदान करेगा।

SCERT Bihar introduces 'Kalaripayattu and Yoga' as mandatory non-academic credits in Physical Education for Class 6 to 10.
एससीईआरटी बिहार ने कक्षा 6 से 10 के लिए शारीरिक शिक्षा में 'कलारीपयट्टू और योग' को अनिवार्य नॉन-अकादमिक क्रेडिट के रूप में शामिल किया।

SPORTS NEWS

India's 16-year-old Anish Sarkar becomes the youngest Grandmaster in history; breaks the world record at the Abu Dhabi Chess Masters.
भारत के 16 वर्षीय अनीश सरकार इतिहास के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बने; अबू धाबी चेस मास्टर्स में विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

BCCI launches 'Pink-Ball Grassroot Mission'; aims to upgrade 200 rural cricket academies with floodlight facilities and day-night training modules.
बीसीसीआई ने 'पिंक-बॉल ग्रासरूट मिशन' शुरू किया; इसका लक्ष्य 200 ग्रामीण क्रिकेट अकादमियों को फ्लडलाइट सुविधाओं और डे-नाइट ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपग्रेड करना है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का अर्थ है हर पल कुछ नया सीखना। अपडेट रहें, सशक्त बनें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"ईमानदारी का मोल"

विद्यालय में आज चर्चा का विषय था—निष्पक्षता और ईमानदारी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने बच्चों से पूछा— "बच्चों, क्या कभी आपको किसी और की कोई वस्तु मिली है?"

कई बच्चों ने हाथ उठाया। मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं—

"ऐसे समय में हमारा निर्णय ही हमारे चरित्र की असली पहचान बनता है।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई।

एक दिन विद्यालय की पुस्तकालय के बाहर रोहित को एक पर्स मिला। उसमें कुछ पैसे, पहचान पत्र और आवश्यक कागजात थे। उसके मित्र ने कहा—

"किसी को पता नहीं चलेगा, इसे अपने पास रख लो।"

रोहित कुछ क्षण सोचता रहा। तभी उसे मैडम जी की बात याद आई—

"ईमानदारी वह गुण है, जो हमें सही रास्ता चुनना सिखाता है, चाहे कोई देख रहा हो या नहीं।"

रोहित तुरंत पर्स लेकर प्रधानाध्यापक कक्ष पहुँचा और उसे जमा कर दिया।

कुछ ही देर बाद पता चला कि वह पर्स विद्यालय के एक कर्मचारी का था। उसमें उनके परिवार के लिए रखे गए आवश्यक पैसे थे। पर्स वापस पाकर उनकी आँखों में राहत और खुशी झलक उठी।

उन्होंने भावुक होकर कहा— "बेटा, तुमने केवल मेरा पर्स नहीं लौटाया, मेरा विश्वास भी लौटाया है।"

अगली प्रार्थना सभा में प्रधानाध्यापक ने पूरे विद्यालय के सामने रोहित की ईमानदारी की प्रशंसा की। सभी छात्रों ने तालियाँ बजाईं। रोहित को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

मैडम जी ने कहा— "बच्चों, ईमानदारी का सबसे बड़ा पुरस्कार दूसरों का विश्वास और सम्मान है।"

रोहित के चेहरे पर संतोष की मुस्कान थी। उस दिन उसे समझ में आ गया कि सच्ची जीत अच्छे चरित्र की होती है।

संदेश :"ईमानदारी से कमाया गया सम्मान जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।"

.....✍️

मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

कक्षा में छात्रों को कैसे बिठाएं ?

कक्षा में छात्रों के बैठने की व्यवस्था का प्रभाव उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता पर पड़ता है। यदि शिक्षक सही तरीके से छात्रों को कक्षा में बैठाते हैं तो कक्षा में उनके सीखने की भागीदारी बढ़ती है, शिक्षक की ही बातों पर ध्यान देते हैं और उनके सीखने की गति बेहतर होती है। कक्षा में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु हम उनको कक्षा में निम्न तरीके से बैठा सकते है:

*सर्व प्रथम हम छात्रों को मिश्रित समूह में बैठा सकते हैं। इसमें प्रत्येक बेंच या समूह में एक तेज, एक-दो मध्यम और एक-दो कमजोर छात्र को रख सकते हैं। इससे छात्र एक-दूसरे से सीखते हैं। आम तौर पर हम उम्र समूह से छात्र शिक्षक की अपेक्षा ज्यादा आसानी से सीख जाते हैं। साथ ही इससे कमजोर छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

*कक्षा में छात्रों को बैठाने का दूसरा सबसे प्रभावी तरीका है अर्ध वृताकार आकृति में बैठाना। इस तरीके में सभी बच्चे शिक्षक की ओर चेहरा करते हैं तथा शिक्षक की नजर सभी छात्रों पर एक समान रहती है। कक्षा में चर्चा, सवाल-जवाब और गतिविधि आयोजन के लिए यह तरीका बहुत अच्छा होता है। इसमें शिक्षक सभी बच्चों पर आसानी से ध्यान दे पाते हैं।

एक तरीका है छात्रों को छोटे-छोटे समूह में बांट कर बैठाना। इसमें 4–5 छात्रों का एक समूह बनाते हैं और छात्र आपस में सहयोग कर कार्य पूरा करते हैं। प्रोजेक्ट, गतिविधि और सहयोगात्मक तरीका सीखने के लिए यह बहुत उपयोगी होता है। इसमें शिक्षक को हर समूह में एक नेतृत्वकर्ता देना होता है और उसी के नेतृत्व में समूह के सभी छात्रों को काम करना होता है। कक्षा में कई बार छात्रों को घुमावदार तरीके से बैठने की व्यवस्था की जाती है। इसमें रोटेशन में छात्रों को इस तरह से स्थान आवंटित किया जाता है कि हमेशा एक छात्र आगे न बैठें। रोटेशन में हर सप्ताह छात्रों की सीट बदल देनी चाहिए। इससे सभी को बराबर मौका मिलता है।

एक और तरीका शिक्षक छात्रों को बैठाने में इस्तेमाल करते हैं जिसमें वे विशेष ध्यान देने के लिए कमजोर या ध्यान भटकाने वाले बच्चों को आगे बैठाते हैं। इससे शिक्षक उन छात्रों पर विशेष ध्यान दें पाते हैं।जिन छात्रों को देखने या सुनने में दिक्कत है, उन्हें भी आगे बैठाते हैं।

शिक्षक को कक्षा में लिंग विभेद से बचने एवं मनोविकारों को दूर करने के लिए लड़के-लड़कियों को मिलाकर बैठाने की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे कक्षा में अनुशासन और सहयोग बढ़ता है।

शिक्षक की पहुंच छात्रों तक आसान करने हेतु कक्षा में छात्रों के बैठने की व्यवस्था इस प्रकार से होनी चाहिए की शिक्षक आसानी से कक्षा में घूम सकें।हर बच्चे तक उनकी पहुँच हो, इससे निगरानी आसान होती है। कभी-कभी छात्रों को कक्षा में फर्श पर गोल घेरा बनाकर बैठाना चाहिए। खासकर जब कक्षा में कहानी, चर्चा या खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण करनी हो। ज्यादा शरारत करने वाले बच्चों को अलग-अलग जगह तथा ध्यान रखने वाले छात्रों को उनके या अपने समीप बैठाना चाहिए।

कक्षा में छात्रों को बैठाने की इन व्यवस्थाओं का शिक्षक को समय-समय पर आकलन कर देखना चाहिए कि कौन सी व्यवस्था बेहतर काम कर रही है और तदनुसार उसमें बदलाव करना चाहिए। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कक्षा में छात्रों के बैठने की कोई एक व्यवस्था हमेशा सही नहीं होती। इसमें शिक्षक एवं छात्रों की जरूरत, कक्षा का आकार और पढ़ाने की शैली के अनुसार बदलाव करना ही गुणवत्तापूर्ण की कुंजी है। तो आईए हम अपने विद्यालय में छात्रों की आवश्यकता अनुसार उनके बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

.....
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार-दर्शन"

प. चंपारण: सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली अतीत का संगम

'संपादकीय'

पश्चिम चंपारण की संस्कृति केवल रीति-रिवाजों का समूह नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के सह-अस्तित्व की एक जीवंत गाथा है। यहाँ के सांस्कृतिक ताने-बाने में सबसे विशिष्ट स्थान थारू जनजाति का है, जो मुख्य रूप से तराई के इलाकों में निवास करती है। थारू समाज की जीवनशैली हमें सिखाती है कि कैसे आधुनिकता के दौर में भी अपनी जड़ों और प्रकृति के प्रति सम्मान को जीवित रखा जा सकता है। इनका हस्तशिल्प, विशेषकर 'मूंज' और 'सीकी' की घास से बनाई गई टोकरियाँ और कलाकृतियाँ, आज अपनी सुंदरता और सूक्ष्मता के कारण अंतरराष्ट्रीय कला बाजारों में सराही जा रही हैं। यह समाज मातृसत्तात्मक मूल्यों और सामुदायिक सद्भाव का एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है, जो समाजशास्त्र के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी है।

यहाँ की लोक-कलाओं और संगीत की गूँज सदियों पुरानी है। 'जोगिरा' और 'पमरिया' जैसे लोक गायन की विधाएं चंपारण की मिट्टी की सोंधी खुशबू बिखेरती हैं। यहाँ का पारंपरिक संगीत न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह कृषि चक्र और ऋतुओं के परिवर्तन के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। शादी-ब्याह और त्योहारों के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में जो मिठास और सरलता है, वह आज के डिजिटल युग में भी लोगों को अपनी ओर खींचती है। यह सांस्कृतिक पहचान ही है जो चंपारण के निवासियों को एक सूत्र में पिरोकर रखती है और इसे बिहार के अन्य हिस्सों से एक विशिष्ट पहचान दिलाती है।

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखें तो इस जिले की भूमि बुद्ध के 'महाभिनिष्क्रमण' की साक्षी रही है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र विदेह साम्राज्य का हिस्सा था, जहाँ ऋषियों और मुनियों का वास था। यहाँ स्थित भितिहारवा आश्रम केवल एक भवन नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक चेतना का पालना है। गांधी जी द्वारा स्थापित यह आश्रम और वहाँ की बुनियादी पाठशाला आज भी उस शिक्षा पद्धति की याद दिलाती है, जो स्वावलंबन और चरित्र निर्माण पर आधारित थी। विश्वभर के इतिहासकार और गांधीवादी विचारक आज भी इस छोटे से गाँव की ओर खिंचे चले आते हैं ताकि वे उस शक्ति के स्रोत को समझ सकें जिसने एक साम्राज्य की जड़ें हिला दी थीं।

कला और वास्तुकला की दृष्टि से लौरिया नंदनगढ़ का विशाल बौद्ध स्तूप और अशोक स्तंभ न केवल पुरातात्विक धरोहर हैं, बल्कि ये मौर्यकालीन उन्नत अभियांत्रिकी के प्रमाण हैं। बलुआ पत्थर से बने ये स्तंभ और उन पर खुदी लिपि, भारत के प्राचीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों और मौर्य साम्राज्य के प्रशासनिक कौशल को दर्शाती है। इन स्मारकों की बनावट और उन पर की गई पॉलिश आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है कि उस युग में इतनी तकनीकी निपुणता कैसे संभव हुई। यह स्थान पर्यटन के साथ-साथ ज्ञान अर्जन के लिए भी एक वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

अंततः, पश्चिम चंपारण की सामाजिक समरसता यहाँ के मेलों और उत्सवों में स्पष्ट दिखाई देती है। ऐतिहासिक नरदेवी मेला और अन्य स्थानीय आयोजन विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं। यह जिला अपनी बहुभाषी पहचान, जिसमें भोजपुरी, थारू और हिंदी का सुंदर मिश्रण है, के साथ बिहार की 'साझी संस्कृति' (गंगा-जमुनी तहजीब) का प्रतिनिधित्व करता है। यहाँ की मिट्टी में जो अपनत्व और संघर्ष की शक्ति है, वही इसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन की प्रेरणा बनाता है।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org